B.A. Part 2
Paper IV th

10.8.20

कार्यक्रम और निष्पादन बजट :
(Programme and performance budgeting)

अन्य आर्थिक इकाइयों की भांति सरकार के पास भी आवश्यकताओं की तुलना में साधनों की कमी रहती है। अत: उचित यह रहता है कि इनका प्रयोग मितव्ययिता से और कुशलतापूर्वक किया जाए। इस ध्येय को ध्यान में रखते हुए, व्यय मदों के चुनाव से पूर्व, मानक कसौटियों के आधार पर, तथा लागत - हित - विश्लेषण की सहायता से, विचाराधीन वैकल्पिक परियोजनों और स्कीमों पर अनुमानित परिव्ययों की तुलना उनसे अपेक्षित हितों से की जानी चाहिए (all the projects and schemes under consideration should be subjected to a cost-benefit analysis)। इन कसौटियों के प्रयोग का एक विशेष कारण यह भी है कि लोक व्यय के अपेक्षित और वास्तविक निष्पादन (performance) में लगभग सदैव कुछ असमानता रहती है।

[विशेष: विचाराधीन बजटिंग तकनीक से संबद्ध प्रयुक्त शब्दावली के बारे में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि भारत सरकार द्वारा इसके चुनाव में असावधानी बरती गई है जिससे एक भ्रामक स्थिति उत्पन्न होती है। अत: पाठक को ध्यान रखना चाहिए कि

(क) वास्तविक व्यय से पूर्व उससे पोषित होने वाली परियोजनों और स्कीमों आदि का कार्यक्रम बनाना 'कार्यक्रम बजटिंग' (programme budgeting) है, और व्ययोपरांत परिणामों का मूल्यांकन करना निष्पादन बजटिंग (performance budgeting) कहलाता है।

Scanned by CamScanner

(ख) परंतु भारत सरकार द्वारा प्रयुक्त शब्दावली में कार्यक्रम बजटिंग को 'परिणाम बजटिंग' (outcome budgeting) का नाम दिया गया है, जबकि ये शब्द निष्पादन (performance) के मूल्यांकन के लिए प्रयोग किए जाने चाहिए। अर्थात् जो शब्द व्ययोपरांत मूल्यांकन के लिए उपयुक्त हैं और बाकी विश्व में उन्हीं अर्थों में प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें भारत सरकार द्वारा व्यय-पूर्व बजटिंग के लिए चुना गया है।

एक उत्तम स्थिति वह है जिसमें सरकार की सभी मुख्य व्यय-मदों को उपरोक्त प्रकार के कार्यक्रम बजटिंग (अर्थात् programme budgeting, जिसे भारत सरकार द्वारा परिणाम बजटिंग outcome budgeting का भ्रामक नाम दिया गया है) का रूप दिया जाए, तथा जिसकी तैयारी में यह सुनिश्चित किया जाए कि यथासंभव कहीं भी किसी प्रकार का साधन-अपव्यय न हो और अपेक्षित निष्पादन (performance अर्थात् हमारे शब्दों में 'परिणाम' अथवा outcome) भी उत्तम-संभव हो। कहने का तात्पर्य यह है कि जब सरकार किसी परियोजना/स्कीम को चुनने के पश्चात् उस पर साधन व्यय करने का निर्णय ले, तो उसे चाहिए कि उसके कार्यान्वयन की समय-सारणी और उससे संबंधित प्रत्येक चरण में व्ययों और अपेक्षित प्राप्तियों/हितों के अनुमान तैयार करे।

भारत सरकार द्वारा उसे 2005-06 में 'कार्यक्रम बजटिंग' (programme budgeting) को परिणाम बजटिंग (outcome budgeting) के नाम से अपनाया गया। स्मरणीय है कि यह बजटिंग 'व्यय-पूर्व' की अनुमानित स्थिति दर्शाता है (It is a pre-expenditure exercise)। स्पष्ट है कि उस प्रकार से केवल कार्यक्रम बजटिंग (programme budgeting, भारत सरकार की शब्दावली में परिणाम बजटिंग अथवा (outcome budgeting) तब तक अर्थहीन है जब तक कि उसका कार्यान्वयन उच्च कोटि का न हो। उसके लिए दो शर्तों का पूरा होना आवश्यक है—

Scanned by CamScanner

- ऐसी निष्पादन (performance मूल्यांकन) कसौटियों का निर्माण किया जाए जिनके आधार पर कार्यक्रम बजट के अपेक्षित परिणामों को मापनीय (quantifiable) और निगरानीय (monitorable) लक्ष्यों में दर्शाया जा सके।

- वास्तविक परिणामों की अपेक्षित परिणामों से तुलना करना संभव हो।

जैसा कि ऊपर कहा है, परिणाम - बजटिंग के इस प्रकार के व्ययोपरांत मूल्यांकन को निष्पादन बजटिंग (performance budgeting) कहा जाता है। इस प्रकार निष्पादन बजटिंग (performance budgeting) में वास्तविक परिणामों की तुलना अपेक्षित परिणामों से की जाती है। यह व्ययोपरांत (post-expenditure) बजटिंग है।

व्यय बजटिंग के उपर्युक्त दोनों भागों के संयुक्त रूप को कार्यक्रम और निष्पादन बजटिंग (का.नि.ब) (programme and performance budgeting) की संज्ञा दी जाती है।

Scanned by CamScanner